

पृथिवीमन्वनादयन् 6,4304. 7,257. 8406. 13,161. HARIV. 6685. BHĀG. P. 4,10,6. (स्रशोकम्) विहंगैरनुनादितम् MBH. 3,2501. 1741. 2439. 8,4006. 15,630. R. 2,56,10. 3,39,19.

— व्यनु caus. mit einem Geräusch —, Geschrei u. s. w. erfüllen: नभश्च पृथिवीं चैव तुमुलो (घोषः) व्यनुनादयन् BHĀG. 1,19 = MBH. 6,2419.

— अस्मि zu Jmd hin (acc.) ertönen: (यम्) तर्वा ऽभिनेडुः BHĀG. P. 1, 2,2. ertönen, ein Geschrei erheben: अन्ये ऽत्तरीति ऽभ्यनन्दन्मार्त इव तोयदाः HARIV. 11042 (S. 791). — caus. ertönen machen, mit einem Geräusch u. s. w. erfüllen: ननाद च मकानादं त्रैलोक्यमभिनादयन् HARIV. 13839. स पर्वन्त्य इवाकाशे (०श?) स्वनवानभिनादयन् R. 2,16,30. स्यापिदेरभिनादिता MBH. 4,2017. 7,1342. R. 2,50,10. 3,79,41. गोलाङ्गुलाभिनादित (die Kürze des Wurzelvocal durch das Versmaass gesichert) R. GORR. 2,54,30. प्रतिश्रुत्याभिनादिताः (वाचः) wiederhallend HARIV. 4582.

— आ caus. ertönen machen, mit Geräusch erfüllen: रथेनानादयन्दिशः MBH. 1,5468. 3,789.

— उद् ertönen; brüllen, aufschreien: कालमेघ इवोन्नदन् MBH. 7,6814. गोमायुर्दारुणं मुकुहन्नदन् 5,7241. सिंह इवोन्नदन् 6,2751. R. GORR. 2,75, 30. नदत्तश्चोन्नदत्तश्च गर्जत्तश्च प्लवंगमाः 4,43,8. vom Stier KUMĀRAS. 1,57. vom Esel PAKĀT. 248,17. त्रिदशैः — उन्नदद्भिः MBH. 3,8812. 7,1268. BHĀG. P. 6,9,14. 11,10. — Vgl. उन्नाद.

— प्रोद् aufbrüllen: प्रोन्ननाद च सिंहवत् HARIV. 6754.

— समुद् brüllen: पार्थः समुन्नदन् MBH. 7,6143. सुराणां पृथोऽप्यतेजाः समुन्नदन्ती युधि सिंहनादान् HARIV. 13167.

— उप caus. ertönen machen, mit Geschrei erfüllen: कृकवाकूपनादिताः (मार्गाः) R. 2,28,10.

— नि ertönen, seine Stimme erheben, aufschreien: निनदत्सु मङ्गल-तूर्येषु PAKĀT. 158,5. (मह्यम्) निनदत्सु MBH. 4,359. सूताः परमसंस्कारा मागधाश्चोत्तमश्रुताः। गायकाः स्तुतिशीलाश्च निनदत्तः पृथक्पृथक् ॥ R. 2, 65,2. मद्यपु निनदद्भिः — राज्ञस्तेः RAGH. 5,75. निनदत्प्रतिरोधकानाम् MĀLAV. 85. BHATT. 6,117. Vgl. निनद. निनाद. निनादिन्. — caus. ertönen machen, mit Geräusch, Geschrei u. s. w. erfüllen: दिशः सर्वा निनादयन् MBH. 1,119. 6,2616. कोकिलैर्मग्नैश्च तत्र तत्र निनादितान् देशान् 3, 12369. 1,1306. 3,1762. 13,5212. R. 1,77,6. R. GORR. 1,5,16. 3,34,16. KATHĀS. 20,228. निनादित u. Getöne: ईदृशे वर्तमाने तु तूर्योद्भुष्टनिनादिते R. 1,73,36.

— परिणि und प्राणि (Vop. 8,22, 52) P. 8,4,17.

— परि, परिणदति P. 8,4,14. ein lautes Geschrei erheben: परिनद्य MBH. 6,8256.

— प्र, प्रणदति P. 8,4,14. Vop. 8,52. ertönen, zu brüllen —, zu schreien beginnen: प्राणदद्यामडुन्दुभिः R. 2,81,2. प्राणदत्त समाध्याताः (शङ्काः) MBH. 2,1925. क्रव्यादाः प्राणदन्धोराः शिवाश्च 1,4512. 7,3125. वारणाः शिखिनस्तथा। प्रणोदुः 3,2859. R. 6,19,33. प्रणादित summend (von Bienen) ÇIC. 9,71. — Vgl. प्रणाद.

— अभिप्रु zu brüllen —, zu schreien anfangen: अभिप्रणोदुः BHATT. 13,28.

— विप्र caus. ertönen machen, mit einem Geräusch erfüllen: मद्ग-तालघोषेन सर्वतो विप्रणादितम् (गुहम्) R. 5,12,45.

— संप्र ein Gebrüll —, ein Geschrei erheben: कृताञ्जलिपुटाः सर्वे वानराः संप्रणोदिरे R. 5,1,87. — caus. ertönen machen, mit Geschrei er-

füllen: (गिरयः) कुरैः संप्रणादिताः R. 4,29,15.

— प्रति Jmd oder auf Etwas mit einem Ton, Gebrüll, Geschrei antworten; mit dem. acc.: गम्भीरं प्रतिनद्येव निनादं नदतो गिरिः RĀGATAR. 4,285. निशम्य तं (निनादं) प्रत्यनदंस्तु कौरवाः MBH. 7,4438. वयं प्रतिनदत्तस्तान् 6,4518. विस्वरं प्रतिनद्य R. 3,24,23. Vgl. प्रतिनाद. — caus. ertönen machen, mit einem Gebrüll, Geschrei erfüllen: सिंहव्याघ्रवराक्षाणां नादेन प्रतिनादितम् (वनम्) HARIV. 4179. 4180. त्रैनाथप्रतिनादित 4657. 6401. R. 5,9,60. R. 3,14, 16. ÇĀNTIC. 2,16. Mit Ergänzung des obj.: भूमौ निपतितो ब्रह्मनुवाच प्रतिनादयन् so v. a. laut schreiend MBH. 3,14057.

— वि 1) ertönen; aufschreien, schreien, hinausbrüllen, brüllen: अनाकृता डुन्दुभयो विनेडुः MBH. 5,7241. R. 4,9,44. 6,92,66. शिवाश्च विनदन्ति MBH. 4,1290. 7,2739. R. 6,73,35. विनदद्भिर्महानागैः HARIV. 13433. यथा च विनदत्तमे पत्तिणाः R. 3,30,6. विनदन्मृगराडिव BHĀG. P. 8,11,80. HARIV. 15941. मेघवह्निनादोच्चैः MBH. 5,7225. सो ऽभिरुतो व्यनदत् AIT. Br. 4,2. PAKĀT. Br. 12,13,4. MBH. 1,5115. 3,4788. HARIV. 10940. R. 1,28,23. संप्रकृष्टा विनेडुस्ते नराः 2,91,59. 6,20,13. सुच. 2,383,6. BHĀG. P. 3,13,26. 17,23. 19,10. 4,5,6. 6,12,2. व्यनदद्भैर्वं रवम् MBH. 1,6002. 3,15737. 12,7625. BHĀG. 1,12. R. 2,51,13. 86,14 (GORR. 94,15). 3,8,5. 33,9. 6,87,16. Vgl. विनादिन्. — 2) um Jmd (acc.) herum schreien: विराटं विनदत्येते गृध्रगोमायुवायसाः। विनद्यमानं विहंगैर्विराट् u. s. w. MBH. 11,599. durchschreien, mit Geschrei erfüllen: विनद्य च गुहम् HARIV. 8097. — caus. ertönen machen so v. a. bewirken, dass Etwas ertönt, ein Geschrei erhebt: मेघा मद्गुणवामुरज्ञानकगोमुखान्। व्यनादयन् शङ्खवेणुवीणास्तुमुलनिःस्वनान् ॥ BHĀG. P. 8,8,13. अम्बुदैः शिखिगणो विनाद्यते BHAT. 10. ertönen machen so v. a. mit einem Geräusch, Geschrei erfüllen: विनाद्य खं दिवमपि चैव (सलिलधराः) MBH. 1,1187. 4, 2114. HARIV. 13638. विनाद्यमानासु चमूषु पार्थिवैः MBH. 7,61. दिव्यगीतविनादित (वन) INDR. 2,7. R. 2,39,40. 3,7,3. 78,29. 4,13,8. ohne obj. so v. a. laut ertönen: अभिभूय च रत्नांसि ब्रह्मघोषो विनादयन्। आविवेश दिशः सर्वाः R. 6,11,23.

— अनुवि caus. vollkommen durchdringen (von einem Geräusch): ततः स तेषां हृदतां मकान्मनो भुवं च खं चानुविनादयन्स्वनः R. 2,103,48.

— अभिवि ein lautes Geschrei erheben R. 6,37,37.

— सम् schreien, brüllen: सिंहवत्संननाद MBH. 7,8127. — caus. ertönen machen, mit einem Geräusch, Geschrei erfüllen: उवाच क इहेत्युच्चैर्वनं संनादयन्निव MBH. 1,2896. 3,11130. 5,820. 7,1557. 8,3864. 17,73. HARIV. 5474. 13453. R. 2,63,26. BHĀG. P. 7,4,24. संनादिता येन (नादेन) लोकाः MBH. 12,7625. R. 4,53,21. ohne obj.: उवाच वाक्यं बीभत्सुरुच्चैः संनादयन्निव so v. a. laut schreiend MBH. 7,8386.

नद् (von नद्) gaṇa पचादि zu P. 3,1,134. 1) m. a) Brüller, fremdbundus so v. a. Stier, Hengst; auch Donnerwolke: नद् न भिन्नममुया शयानं मनो रुक्णा अति पत्यापः (भिन्न verschnitten; vgl. v. 7) R.V. 1,32, 8. नदस्य मा रुधतः काम् आगन्ति आर्जतो अमृतः कुतश्चित् nach dem Stiere (d. h. dem Manne), der mich verschmäht, hat Lust mich erfasst 179,4 (Nir. 5,2). नद् व घोदतीनां नद् पोष्वतीनाम्। पतिं वो अघ्न्यानां घेनूनामिषुध्यसि 8,38,2. उत्तस्ते अश्वौ अश्वौ इवाजिषु नदस्य कर्णैस्तुरयस आश्रुभिः 2,34,8. रपद्भ्यर्वारेप्यो च घोषणा नदस्य नदि पारे पातु मे मनः